सी.बी.एस.ई. सी.टी.ई.टी. परीक्षा पैटर्न

अभ्यर्थियों की अधिक जानकारी के लिए सी.बी.एस.ई. सी.टी.ई.टी. परीक्षा का पैटर्न नीचे दिया गया है-

- सी.टी.ई.टी. 2018 की परीक्षा दो चरणों में ली जाती है। दोनों चरणों में वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाते हैं। जो अभ्यर्थी प्राथमिक शिक्षक बनना चाहते हैं उन्हें केवल पेपर 1 की परीक्षा देनी है, लेकिन जो अभ्यर्थी कक्षा 1 से कक्षा 5 एवं कक्षा 6 से कक्षा 8 के वर्ग के लिए शिक्षक बनना चाहते हैं उन्हें पेपर 1 एवं पेपर 2 (दोनों) की परीक्षा देनी है।

- पेपर 1 की परीक्षा सुबह 9:30 बजे से दोपहर 12 बजे तक एवं पेपर 2 की परीक्षा दोपहर 02.00 बजे से 04:30 बजे ली जाती है।

- सी.बी.एस.ई. के निर्देशानुसार जो अभ्यर्थी परीक्षा में न्यूनतम 60 प्रतिशत अंक प्राप्त कर लेते हैं उन्हें योग्य माना जाता है।

- अभ्यर्थी ध्यान रखें कि सी.टी.ई.टी. परीक्षा में परिक्षार्थियों को आरक्षण का लाभ प्रदान नहीं किया जाता। सभी परिक्षार्थियों को उत्तीर्ण होने के लिए न्यूनतम अंक प्राप्त करना होता है। इसके बाद भर्ती परीक्षा के तहत भिन्न-भिन्न राज्यों या भर्ती संस्थानों द्वारा परिक्षार्थियों को आरक्षण की सुविधा प्रदान की जाती है।

- सी.टी.ई.टी. मूलतः एक योग्यता परीक्षा है जो अभ्यर्थियों को सिर्फ योग्यता का प्रामाण पत्र देती है। इस परीक्षा को उत्तीर्ण करने के बाद अभ्यर्थी नियुक्ति के लिए दावेदारी पेश नहीं कर सकते।

- सी.टी.ई.टी. प्रमाण पत्र केंद्र सरकार (के.वी.एस., एन.वी.एस., सेंट्रल तिब्बती विद्यालयों आदि) के स्कूलों, चंडीगढ़, दादरा एवं नगर हवेली, दमन और दीव, अंडमान निकोबार द्वीप समूह सहित दिल्ली के स्कूलों के लिए मान्य होते हैं।

- यदि कोई राज्य सरकार शिक्षक भर्ती परीक्षा के लिए सी.टी.ई.टी. पास अभ्यर्थियों से आवेदन मांगती है तो उम्मीदवार निजी स्कूलों में भी आवेदन कर सकते हैं।

- सी.टी.ई.टी. प्रमाण पत्रों की वैधता सात वर्षों की होती है।

पाठ्यक्रम की संरचना और विषय–सूची
(पेपर I और पेपर II)

पेपर I (कक्षा I से V के लिए) प्राथमिक स्तरः

I. बाल विकास और अध्यापन कला **30 प्रश्न**

क) बाल विकास (प्राथमिक विद्यालय का बालक) **15 प्रश्न**

- विकास की अवधारणा तथा अधिगम के साथ उसका संबंध
- बालकों के विकास के सिद्धांत
- आनुवांशिकता और पर्यावरण का प्रभाव
- सामाजिकीकरण प्रक्रियाएं : सामाजिक विश्व और बालक (शिक्षक, अभिभावक और मित्रगण)
- पाइगेट, कोलबर्ग और वायगोट्स्की : निर्माण और विवेचित संदर्श
- बाल–केन्द्रित और प्रगामी शिक्षा की अवधारणाएं
- बौद्धिकता के निर्माण का विवेचित संदर्श
- बहु–आयामी बौद्धिकता
- भाषा और चिंतन
- समाज निर्माण के रूप में लिंग : लिंग भूमिकाएं, लिंग–पूर्वाग्रह और शैक्षणिक व्यवहार
- शिक्षार्थियों के मध्य वैयक्तिक विभेद, भाषा, जाति, लिंग, समुदाय, धर्म आदि की विविधता पर आधारित विभेदों को समझाना
- अधिगम के लिए मूल्यांकन और अधिगम का मूल्यांकन के बीच अंतर; विद्यालय आधारित मूल्यांकन, सतत एवं व्यापक मूल्यांकन : संदर्श और व्यवहार
- शिक्षार्थियों की तैयारी के स्तर के मूल्यांकन के लिए (कक्षा में शिक्षण और विवेचित चिंतन के लिए तथा शिक्षार्थी की उपलब्धि के लिए उपयुक्त प्रश्न तैयार करना।

ख) समावेशी शिक्षा की अवधारणा तथा विशेष आवश्यकता वाले बालकों को समझना **5 प्रश्न**

- गैर–लाभप्राप्त और अवसर–वंचित शिक्षार्थियों सहित विभिन्न पृष्ठभूमियों से आए शिक्षणार्थियों की आवश्यकताओं को समझना।
- अधिगम संबंधी समस्याएं, कठिनाई वाले बालकों की आवश्यकताओं को समझना।
- मेधावी, सृजनशील, विशिष्ट प्रतिभावान शिक्षणार्थियों की आवश्यकताओं को समझना।

ग) अधिगम और अध्यापन **10 प्रश्न**

- बालक किस प्रकार सोचते और सीखते हैं; बालक विद्यालय प्रदर्शन में सफलता प्राप्त करने में कैसे और क्यों 'असफल' होते हैं।
- अधिगम और अध्यापन की बुनियादी प्रक्रियाएं; बालकों की अधिगम कार्यनीतियां: सामाजिक क्रियाकलाप के रूप में अधिगमः अधिगम के सामाजिक संदर्भ।
- एक समस्या समाधानकर्ता और एक 'वैज्ञानिक अन्वेषक' के रूप में बालक।
- बालकों में अधिगम की वैकल्पिक संकल्पना;अधिगम प्रक्रिया में महत्वपूर्ण चरणों के रूप में बालक की 'त्रुटियों' को समझना।
- बोध और संवेदनाएं
- प्रेरणा और अधिगम
- अधिगम में योगदान देने वाले कारक – निजी एवं पर्यावरणीय।

II. भाषा I **30 प्रश्न**

क) भाषा बोधगम्यता **15 प्रश्न**

अपठित अनुच्छेदों को पढ़ना – दो अनुच्छेद एक गद्य अथवा नाटक और एक कविता जिसमें बोधगम्यता, निष्कर्ष, व्याकरण और मौखिक योग्यता से संबंधित प्रश्न होंगे (गद्य अनुच्छेद साहित्यिक, वैज्ञानिक, वर्णनात्मक अथवा तर्कमूलक हो सकता है)

ख) भाषा विकास का अध्यापन कला **15 प्रश्न**

- अधिगम और अर्जन
- भाषा अध्यापन के सिद्धांत
- सुनने और बोलने की भूमिकाः भाषा का कार्य तथा बालक इसे किस प्रकार एक उपकरण के रूप में प्रयोग करते हैं
- मौखिक और लिखित रूप में विचारों के संप्रेषण के लिए किसी भाषा के अधिगम में व्याकरण की भूमिका पर निर्णायक संदर्श
- एक भिन्न कक्षा में भाषा पढ़ाने की चुनौतियां; भाषा की कठिनाइयां, त्रुटियां और विकार
- भाषा कौशल
- भाषा बोधगम्यता और प्रवीणता का मूल्यांकन करना : बोलना, सुनना, पढ़ना और लिखना
- अध्यापन – अधिगम सामग्रियां : पाठ्यपुस्तक, मल्टी मीडिया सामग्री, कक्षा का बहुभाषायी संसाधन
- उपचारात्मक अध्यापन

III. भाषा – II **30 प्रश्न**

क) बोधगम्यता **15 प्रश्न**

दो अनदेखे गद्य अनुच्छेद (तर्कमूलक अथवा साहित्यिक अथवा वर्णनात्मक अथवा वैज्ञानिक) जिनमें बोधगम्यता, निष्कर्ष, व्याकरण और मौखिक योग्यता से संबंधित प्रश्न होंगे

ख) भाषा विकास का अध्यापन कला **15 प्रश्न**

- अधिगम और अर्जन
- भाषा अध्यापन के सिद्धांत
- सुनने और बोलने की भूमिका; भाषा का कार्य तथा बालक इसे किस प्रकार एक उपकरण के रूप में प्रयोग करते हैं
- मौखिक और लिखित रूप में विचारों के संप्रेषण के लिए किसी भाषा के अधिगम में व्याकरण की भूमिका पर निर्णायक संदर्श
- एक भिन्न कक्षा में भाषा पढ़ाने की चुनौतियां; भाषा की कठिनाइयां, त्रुटियां और विकार
- भाषा कौशल
- भाषा बोधगम्यता और प्रवीणता का मूल्यांकन करना : बोलना, सुनना, पढ़ना और लिखना
- अध्यापन– अधिगम सामग्री :पाठ्यपुस्तक, मल्टीमीडिया सामग्री, कक्षा का बहुभाषायी संसाधन
- उपचारात्मक अध्यापन

IV. गणित — 30 प्रश्न

क) विषय–वस्तु — 15 प्रश्न

- ज्यामिति
- आकार और स्थानिक समझ
- हमारे चारों ओर विद्यमान ठोस पदार्थ
- संख्याएं
- जोड़ना और घटाना
- गुणा करना
- विभाजन
- मापन
- भार
- समय
- परिमाण
- आंकड़ा प्रबंधन
- पैटर्न
- राशि

ख) अध्यापन कला संबंधी मुद्दे — 15 प्रश्न

- गणितीय/तार्किक चिंतन की प्रकृति; बालक के चिंतन एवं तर्कशक्ति पैटर्नों तथा अर्थ निकालने और अधिगम की कार्यनीतियों को समझना
- पाठ्यचर्या में गणित का स्थान
- गणित की भाषा
- सामुदायिक गणित
- औपचारिक एवं अनौपचारिक पद्धतियों के माध्यम से मूल्यांकन
- शिक्षण की समस्याएं
- त्रुटि विश्लेषण तथा अधिगम एवं अध्यापन के प्रासंगिक पहलू
- नैदानिक एवं उपचारात्मक शिक्षण

V. पर्यावरणीय अध्ययन — 30 प्रश्न

क) विषय–वस्तु — 15 प्रश्न

1. परिवार और मित्र
   - 1.1 संबंध
   - 1.2 कार्य और खेल
   - 1.3 पशु
   - 1.4 पौधे
2. भोजन
3. आश्रय
4. पानी
5. भ्रमण
6. वे चीज़ें जो हम बनाते और करते हैं

ख) अध्यापन संबंधी मुद्दे **15 प्रश्न**

- ईवीएस की अवधारणा और व्याप्ति
- ईवीएस का महत्व, एकीकृत ईवीएस
- पर्यावरणीय अध्ययन एवं पर्यावरणीय शिक्षा
- अधिगम सिद्धांत
- विज्ञान और सामाजिक विज्ञान की व्याप्ति और संबंध
- अवधारणा प्रस्तुत करने के दृष्टिकोण
- क्रियाकलाप
- प्रयोग / व्यावहारिक कार्य
- चर्चा
- सीसीई
- शिक्षण सामग्री / उपकरण
- समस्याएं

पेपर II (कक्षा VI से VIII के लिए) प्रारंभिक अवस्थाः

I. बाल विकास और अध्यापन **30 प्रश्न**

क) बाल विकास (प्रारंभिक विद्यालय का बालक) **15 प्रश्न**

- विकास की अवस्था तथा अधिगम से उसका संबंध
- बालक के विकास के सिद्धांत
- आनुवांशिकता और पर्यावरण का प्रभाव
- सामाजिकीकरण दबाव : सामाजिक विश्व और बालक (शिक्षक, अभिभावक और मित्रगण)
- पियाजे, कोलबर्ग और वायगोट्स्की : निर्माण और विवेचित संदर्श
- बाल–केन्द्रित और प्रगामी शिक्षा की अवधारणाएं
- बौद्धिकता के निर्माण का विवेचित संदर्श
- बहु–आयामी बौद्धिकता
- भाषा और चिंतन
- समाज निर्माण के रूप में लिंग : लिंग भूमिकाएं, लिंग–पूर्वाग्रह और शैक्षणिक व्यवहार
- शिक्षार्थियों के मध्य वैयक्तिक विभेद, भाषा, जाति, लिंग, समुदाय, धर्म आदि की विविधता पर आधारित विभेदों को समझना करना
- अधिगम के लिए मूल्यांकन और अधिगम के मूल्यांकन के बीच अंतर; विद्यालय आधारित मूल्यांकन, सतत एवं व्यापक मूल्यांकन : संदर्श और व्यवहार
- शिक्षार्थियों की तैयारी के स्तर के मूल्यांकन के लिए; कक्षा में शिक्षण और विवेचित चिंतन के लिए तथा शिक्षार्थी की उपलब्धि के लिए उपयुक्त प्रश्न तैयार करना।

ख) समावेशी शिक्षा की अवधारणा तथा विशेष आवश्यकता वाले बालकों को समझना 5 प्रश्न

- गैर–लाभप्राप्त और अवसर–वंचित शिक्षार्थियों सहित विभिन्न पृष्ठभूमियों से आए शिक्षणार्थियों की आवश्यकताओं को समझना।
- अधिगम संबंधी समस्याओं, 'कठिनाई' रखने वाले बालकों की आवश्यकताओं को समझना।
- मेधावी, सृजनशील, विशिष्ट प्रतिभावान शिक्षणार्थियों की आवश्यकताओं को समझना।

ग) अध्ययन और अध्यापन **10 प्रश्न**

- बालक किस प्रकार सोचते और सीखते हैं; बालक विद्यालय प्रदर्शन में सफलता प्राप्त करने में कैसे और क्यों 'असफल' होते हैं।

- शिक्षण और अधिगम की बुनियादी प्रक्रियाएं; बालकों की अध्ययन कार्यनीतियां; सामाजिक क्रियाकलाप के रूप में अधिगम ;अधिगम के सामाजिक संदर्भ।
- एक समस्या समाधानकर्ता और एक 'वैज्ञानिक अन्वेषक' के रूप में बालक।
- बालकों में अधिगम की वैकल्पिक संकल्पना; अधिगम प्रक्रिया में महत्वपूर्ण चरणों के रूप में बालक की 'त्रुटियों' को समझना।
- बोध और संवेदनाएं
- प्रेरणा और अधिगम
- अधिगम में योगदान देने वाले कारक – निजी एवं पर्यावरणीय।

II. भाषा I **30 प्रश्न**

क) भाषा बोधगम्यता **15 प्रश्न**

अनदेखे अनुच्छेदों को पढ़ना – दो अनुच्छेद एक गद्य अथवा नाटक और एक कविता जिसमें बोधगम्यता, निष्कर्ष, व्याकरण और मौखिक योग्यता से संबंधित प्रश्न होंगे (गद्य अनुच्छेद साहित्यिक, वैज्ञानिक, वर्णनात्मक अथवा तर्कमूलक हो सकता है)

ख) भाषा विकास का अध्यापन **5 प्रश्न**

- अधिगम अर्जन
- भाषा अध्यापन के सिद्धांत
- सुनने और बोलने की भूमिका; भाषा का कार्य तथा बालक इसे किस प्रकार एक उपकरण के रूप में प्रयोग करते हैं
- मौखिक और लिखित रूप में विचारों के संप्रेषण के लिए किसी भाषा के अधिगम में व्याकरण की भूमिका पर विवेचित संदर्श
- एक भिन्न कक्षा में भाषा पढ़ाने की चुनौतियां; भाषा की कठिनाइयां, त्रुटियां और विकार
- भाषा कौशल
- भाषा बोधगम्यता और प्रवीणता का मूल्यांकन करना : बोलना, सुनना, पढ़ना और लिखना
- अध्यापन – अधिगम सामग्रियां : पाठ्यपुस्तक, मल्टी मीडिया सामग्री, कक्षा का बहुभाषायी संसाधन
- उपचारात्मक अध्यापन

III. भाषा – II **30 प्रश्न**

क) बोधगम्यता **15 प्रश्न**

दो अनदेखे गद्य अनुच्छेद (तर्कमूलक अथवा साहित्यिक अथवा वर्णनात्मक अथवा वैज्ञानिक) जिनमें बोधगम्यता, निष्कर्ष, व्याकरण और मौखिक योग्यता से संबंधित प्रश्न होंगे

ख) भाषा विकास का अध्यापन **15 प्रश्न**

- अधिगम और अर्जन
- भाषा अध्यापन के सिद्धांत
- सुनने और बोलने की भूमिका; भाषा का कार्य तथा बालक इसे किस प्रकार एक उपकरण के रूप में प्रयोग करते हैं
- मौखिक और लिखित रूप में विचारों के संप्रेषण के लिए किसी भाषा के अधिगम में व्याकरण की भूमिका पर निर्णायक संदर्श
- एक भिन्न कक्षा में भाषा पढ़ाने की चुनौतियां; भाषा की कठिनाइयां, त्रुटियां और विकार
- भाषा कौशल
- भाषा बोधगम्यता और प्रवीणता का मूल्यांकन करना : बोलना, सुनना, पढ़ना और लिखना
- अध्यापन– अधिगम सामग्री : पाठ्यपुस्तक, मल्टीमीडिया सामग्री, कक्षा का बहुभाषायी संसाधन
- उपचारात्मक अध्यापन

IV. (क) गणित एवं विज्ञान : **60 प्रश्न**

(i) गणित **30 प्रश्न**

क) विषय–वस्तु **20 प्रश्न**

- **अंक प्रणाली**
  - अंकों को समझना
  - अंकों के साथ खेलना
  - पूर्ण अंक
  - नकारात्मक अंक और पूर्णांक
  - भिन्न
- **बीजगणित**
  - बीजगणित का परिचय
  - समानुपात और अनुपात
- **ज्यामिति**
  - मूलभूत ज्यामितिक विचार (2–डी)
  - बुनियादी आकारों को समझना (2–डी और 3–डी)
  - सममिति
  - निर्माण (सीधे किनारे वाले मापक, कोणमापक, परकार का प्रयोग करते हुए)
- **क्षेत्रमिति**
- **आंकड़ा प्रबंधन**

ख) अध्यापन संबंधी मुद्दे **10 प्रश्न**

- गणितीय/तार्किक चिंतन की प्रकृति
- पाठ्यचर्या में गणित का स्थान
- गणित की भाषा
- सामुदायिक गणित
- मूल्यांकन
- उपचारात्मक शिक्षण
- शिक्षण की समस्याएं

(ii) विज्ञान **30 प्रश्न**

क) विषय–वस्तु **20 प्रश्न**

I. भोजन

- भोजन के स्रोत
- भोजन के अवयव
- भोजन को स्वच्छ करना

II. सामग्री

- दैनिक प्रयोग की सामग्री

III. जीव–जंतुओं की दुनिया

IV. सचल वस्तुएं, लोग और विचार

V. चीजें कैसे कार्य करती हैं

- विद्युत करंट और सर्किट

- चुंबक

VI. प्राकृतिक पद्धति

VII. प्राकृतिक संसाधन

ख) अध्यापन संबंधी मुद्दे **10 प्रश्न**

- विज्ञान की प्रकृति और संरचना
- प्राकृतिक विज्ञान/लक्ष्य और उद्देश्य
- विज्ञान को समझना और उसकी सराहना करना
- दृष्टिकोण/एकीकृत दृष्टिकोण
- प्रेक्षण/प्रयोग/अन्वेषण (विज्ञान की पद्धति)
- अभिनवता
- पाठ्यचर्या सामग्री/सहायता–सामग्री
- मूल्यांकन – संज्ञात्मक/मनोप्रेरक/प्रभावन
- समस्याएं
- उपचारात्मक शिक्षण

V. सामाजिक अध्ययन/सामाजिक विज्ञान — 60 प्रश्न

क) विषय–वस्तु **40 प्रश्न**

I. इतिहास

- कब, कहां और कैसे
- प्रारंभिक समाज
- प्रथम कृषक और चरवाहे
- प्रथम शहर
- प्रारंभिक राज्य
- नए विचार
- प्रथम साम्राज्य
- सुदूरवर्ती भूभागों के साथ संपर्क
- राजनैतिक गतिविधियां
- संस्कृति और विज्ञान
- नए सम्राट और साम्राज्य
- दिल्ली के सुलतान
- वास्तुकला
- साम्राज्य का सृजन
- सामाजिक परिवर्तन
- क्षेत्रीय संस्कृतियां
- कंपनी शासन की स्थापना
- ग्रामीण जीवन और समाज
- उपनिवेशवाद और जनजातीय समाज
- 1857–58 का विद्रोह
- महिलाएं और सुधार
- जाति व्यवस्था को चुनौती
- राष्ट्रवादी आंदोलन
- स्वतंत्रता के पश्चात भारत

II. भूगोल

- एक सामाजिक अध्ययन तथा एक विज्ञान के रूप में भूगोल
- ग्रह : सौरमण्डल में पृथ्वी
- ग्लोब
- अपनी समग्रता में पर्यावरण : प्राकृतिक और मानव पर्यावरण
- वायु
- जल
- मानव पर्यावरण : बस्तियां, परिवहन और संप्रेषण
- संसाधन : प्रकार – प्राकृतिक एवं मानवीय
- कृषि

III. सामाजिक और राजनीतिक जीवन

- विविधता
- सरकार
- स्थानीय सरकार
- आजीविका हासिल करना
- लोकतंत्र
- राज्य सरकार
- मीडिया को समझना
- लिंग–भेद समाप्ति
- संविधान
- संसदीय सरकार
- न्यायपालिका
- सामाजिक न्याय और सीमांत लोग

ख) अध्यापन संबंधी मुद्दे — 20 प्रश्न

- सामाजिक विज्ञान/सामाजिक अध्ययन की अवधारण और पद्धति
- कक्षा की प्रक्रियाएं, क्रियाकलाप और व्याख्यान
- विवेचित चिंतन का विकास करना
- पूछताछ/अनुभवजन्य साक्ष्य
- सामाजिक विज्ञान/सामाजिक अध्ययन पढ़ाने की समस्याएं
- स्रोत – प्राथमिक और माध्यमिक
- प्रोजेक्ट कार्य
- मूल्यांकन

टिप्पणी : कक्षा I से VIII तक की विस्तृत पाठ्यचर्या के लिए कृपया एनसीईआरटी पाठ्यक्रम और पाठ्यपुस्तकों का अवलोकन करें।